UPSEB because of collapse of a railway bridge. While the demand of Obra TPS was met from other sources, despatches from NCL suffered to the extent of 1.5 million tonnes during this period.

(ii) As per the linkages sanctioned, Rihand TPS took 0.88 million tonnes less than their linkages during April ,98 to January, 99.

Keeping in view the above demand constraints and the need to keep the stock at the manageable level, NCL had to cut back production.

(c) and (d) No, Sir.

(e) The above slackness in demand is temporary and the demand from the power houses linked to NCL is expected to increase in the year 1999-2000. Consequently, Coal production will be stepped up.

मधुबन वाशरी परियोजना में आग लगना

158. **श्री शिबू सोरेन** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में भारत कोकिंग कोल लि0 की मधुबन वाशरी परियोजना में लगी आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरु की गई हैं,

(ख) यदि हां, तो जांच के लिए गठित समिति के सदस्यों का ब्यौरा क्या हैं,

(ग) क्या यह सच हैं कि 12 वर्ष पूर्व दाशरी के निर्माण का ठेका एम0 ए0 एम0 पी0 नामक कंपनी को दिया गया था और इसे तीन वर्षों में पूरा करना था,

(घ) यदि हां, तो इसे आज तक पूरा न किए जाने के क्या कारण हैं,

(ड़) इस विलंब के कारण हुई आर्थिक क्षति का ब्यौरा क्या हैं, और

(च) सरकार इस बारे में क्या कार्रवाई कर रही हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दिलीप राय) : (क) और (ख) जी, हां । आग लगने के कारणों की जांच किए जाने के लिए निम्न सदस्यों वाली एक समिति का गठन किया गया हैं:-

1.	श्री एस0 पी0 सिंह, निदेशक (तकनीकी) पी0 एण्ड पी0, भा. को. को. लि.	अध्यक्ष
2.	श्री आर. खन्ना, वाशरी प्रमुख, भा0 को0 को लि0	सदस्य
3.	श्री एस. चट्टोपाध्य, सी. जी. एम. (सी. पी./डब्ल्यू. सी./सी.), भाकोकोलि	सदस्य-सचिव
4.	श्री एस. सी. त्रेहन, सी0 जी0 एम0 (एम. एम.), भाकोकोलि	सदस्य
5.	श्री बी. के. भट्टाचार्जी, जी. एम. (वित्त), भोकोकोलि	सदस्य
6.	श्री ए. पी. सिंह क्षेत्रीय निदेशक, आर-1-11, सीएमपीडीआईएल	सदस्य
7.	श्री एस0 घोष, जी0 एम0 (सुरक्षा), भाकोकोलि	सदस्य

(ग) और (घ) मधुबन वाशरी के निर्माण का अनुबंध दिसम्बर, 1985 में मेसर्स माइसिंग एण्ड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन लि. जो भारत सरकार का एक मशीनरी कारपोरेशन लि. जो भारत सरकार का एक उपक्रम हैं, को टर्न-की आधार पर प्रदान किया गया था और एम. ए. एम. सी. द्वारा वाशरी पर प्रदान किया गया था और एम. ए. एम. सी. द्वारा वाशरी को दिसम्बर, 1988 तक पूरा किया जाना था । कंपनी जाना था । कंपनी अभी भी परियोजना लोड आउट व्यवस्था पर कार्य कर रही हैं, यद्यपि उन्होंने मुख्य वाशरी का बड़ा कार्य पूर्ण कर दिया हैं । कंपनी अभी भी परियोजना लोड आउट व्यवस्था पर कार्य कर रही हैं, यद्यपि उन्होंने मुख्य वाशरी का बड़ा कार्य पूर्ण कर दिया हैं । परियोजना के कार्यान्वयन में विलंब के कारण इस प्रकार हैं :-

1. एम. ए. एम. सी. द्वारा देशीय तथा आयातित उपकरणों हेतु आर्डर दिए जाने में हुआ विलंब ।

2. एम. ए. एम. सी. द्वारा जी. ए. ड्राईग के प्रस्तुतिकरण में हुआ विलंब ।

3. एम. ए. एम. सी. द्वारा संयंत्र के निर्माण तथा चालू किए जाने में हुआ विलंब ।

4. वन भूमि की उपलब्धता में हुआ विलंब जिससे क्रास कन्ट्री कन्वेयर्स का कार्य प्रभावित हुआ ।

5. कुछ व्यक्तियों ने अक्तूबर, 85 में बिहार सरकार के वन विभाग द्वारा भा. को. को. लि. को सौंपी गई भूमि के स्वामित्व का दावा किया था । यह मामला न्यायालय के निर्णयाधीन हैं ।

(ड़) और (च) यह परियोजना फरवरी, 1984 में 71.90 करोड़ रु. की लागत से स्वीकृत की गई थी । इस विलंब के कारण, अक्तूबर, 1993 में स्वीकृत परियोजना की संशोधित लागत अब 194.18 करोड़ रु. हैं । चूंकि एम. ए. एम. सी. वाशरी पर अधिकांश कार्य कर चुकी हैं, अतः अनुबंधकर्ता में परिवर्तन किए जाने से और अधिक विलंब हो सकता था । एम. ए. एम. सी. से बार-बार परियोजना को पूर्ण किए जाने का अनुरोध किया गया और अन्ततः मधुबंध वाशरी को भा. को. को. लि. द्वारा

लोड पर डाल दिया गया ताकि फरवरी, 1998 से कोयले का संसाधन आरंभ किया जा सके और 10 दिसम्बर, 1998 तक लगभग 1.10 लाख टन कच्चे कोयले को संसाधित कर लिया गया । क्षतिग्रस्त कन्वेयर्स के पुर्ननिर्माण के पश्चात वाशरी फिर से कोयले का संसाधन आरंभ कर देगी ।

Advanced Technology to Produce Soft Coke

159. SHRI P. PRABHAKAR REDDY: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Fuel Research Institute (CFRI) has developed a commercially viable and environment friendly technology to produce soft coke;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any market survey has been carried out to assess marketability of the product and if so, with what results; and

(d) by when the product is to be marketted to meet the demand of the domestic coke in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI DILIP RAY): (a) and (b) Yes, Sir. On the basis of technology developed by CFRI the low temperature carbonisation of lower grades of coal having some caking index, are carried out. This is done in a sole heated carbonisation oven wherein devolatilisation and carbonisation take place producing soft coke. The fuel has been tested by CFRI to confirm the statutory level laid down for emission of air by Central Pollution Control Board. This technology is found to be economical and commercially viable and many entepreneurs have set up such plants and some others have applied to CIL for obtaining further coal linkage clearance.

(c) It has been reported by both Coal India Limited and Central Fuel Research Institute that no market survey has been made by them.

(d) It has been reported by CFRI that about 17 plants have already been commissioned, some of which have started marketing the product.

कोयले का उत्पादन

160. **श्री डी. पी. यादव** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) वर्ष 1998 की समाप्ति पर देश में कुल कितने कोयले का उत्पादन किया गया तथा इसमें से कुल कितना कोयला निर्यात किया गया,

(ख) क्या यह उत्पादन गत वर्ष के दौरान की तुलना में अधिक हैं, और

(ग) यदि हां, तो वह मात्रा कितनी हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दिलीप राय) : (क) अप्रैल-दिसम्बर, 1998 की अवधि के दौरान देश में कुल कोयला उत्पादन 206.31 मि0 ट0 (अनतिम) रहा हैं । इस अवधि के दौरान निर्यातित कोयले की कुल मात्रा 0.2 मि0 ट0 हैं ।

(ख) और (ग) (अप्रैल-दिसम्बर, 1998 के दौरान कोयले का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए उत्पादन से कुछ ही कम हुआ हैं । पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान कुल उत्पादन 206.355 मि0 ट0 था । उत्पादन में कभी विद्युत तथा सीमेंट जैसे बड़े उपभोक्ताओं द्वारा कोयले की कम उठान किए जाने के कारण हुई ।

Coal mining in India

161. DR. G.B. DUTTA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the productivity in both opencast and underground coal mines in the country;

(b) how this compares with the productivity of coal producing countries of the world;

(c) the reasons for poor productivity in coal mines in the country; and

(d) the steps taken by Government to improve the productivity?